RESTRICTION ON THE ISSUE OF ROAD MAPS

•233. SHRI BANSI LAL: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have restricted the sale of road maps of the districts and tehsiils of the various States in India; and

(b) if so, what are the reasons thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI D. R. CHAVAN) : (a) The position is that the only road map published by the Survey of India is the Road Map of India On a scale 1" to 40 miles approximately. The sale of this map to the public is not restricted. The Government of India have not published road maps of districts and tehsils.

(b) Does not arise.

रावी नदी के उस पार भारतीय राज्य-क्षेत्र

१७०. **श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रेडक्लिफ अवार्ड १९४७ के अंतर्गत रावी नदी के उस पार डेरा बाबा नानक में भारत को कुल कितने एकड़ भूमि दी गई थी ; और

(ख) उक्त भूमि इस समय किस उपयोग में लाई जा रही है ?

***t* [INDIAN TERRITORY ACROSS RAVI RIVER**

170. SHRI V. M. CHORDIA: "Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the total acreage of land that was given to India under the Redcliffe Award of 1947 on the other side of the river Ravi, at Dera Baba Nanak; and

(b) what use is being made at pr« sent of the said land?]

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : (क) रेडक्लिफ़ अवार्ड के अन्तर्गत रावी नदी के उस पार, डेरा बाबा नानक के पास, भारत को अन्दाजन ५१९४ एकड़ भूमि मिली है । इस पर १९६१ में कब्जा किया गया जब कि दोनों देशों के बीच की सीमा की परस्पर पुष्टि की गई और भारत और पाकिस्तान द्वारा एक-दूसरे के कब्जे में पड़े हुए क्षेत्रों का आदान-प्रदान किया गया ।

(ख) इस इलाके के भूमिधरों और पट्टेदारों ने लगभग ४००० एकड़ भूमि में खेती शुरू कर दी है ।

*[THE PRIME MINISTER AND MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI JAWAHARLAL NEHRU) : (a) Under the Radcliffe Award, approximately 5194 acres of land near Dera Baba Nanak on the other side of the river Ravi came to India. It was taken possession of in 1961, when after the mutual ratification of the common boundary, adversely held areas on both sides were exchanged by India and Pakistan.

(b) Approximately 4000 acres have been brought under cultivation by local landowners and lessees.]

भारत द्वारा राकेट का छोड़ा जाना

१७१. **श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत राकेट छोड़ना चाहता है; और

(ख) यदि हां, तो राकेट छोड़ने का लक्ष्य क्या है ?

•{•Transferred from the 2nd May, 1963.

$[] English translation.

t [ROCKET LAUNCHING IN INDIA

171. SHRI V. M. CHORDIA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that India proposes to launch a rocket; and

(b) if so, what is the object of launching the rocket?]

प्रधान मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू): (क) जी हां। केरल राज्य में थुम्बा नामक स्थान पर स्थापित की जा रही विषुवदीय साउंडिंग राकेट लांचिंग फैसिलिटी से परीक्षणात्मक राकेट छोड़ने का विचार है ।

(ख) वायुमंडलिक घटनाओं के विस्तृत क्षेत्र का परीक्षणात्मक अध्ययन करने के लिए राकेट एक उपयोगी साधन है तथा, वास्तव में, ३० तथा २०० किलोमीटर की ऊंचाइयों के बीच के स्तरों, अर्थात् उस अधिकतम ऊंचाई, जिस तक गुब्बारे पहुंच सकते हैं, से ऊपर तथा उपग्रहों की परिचालन ऊंचाई से नीचे, सीधे मापन के लिए राकेट ही एकमात्र साधन है। पृथ्वी के चुम्कीय क्षेत्र, आयन मण्डल तथा तथाकथित विद्युत्-धाराओं सम्बन्धी अनुसंधान के लिए साउंडिंग राकेट विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध होंगे ।

UTHE PRIME MINISTER (SHRI JAWAHARLAL NEHRU) : (a) Yes. It is proposed to launch experimental rockets from the Equatorial Sounding Rocket Launching Facility, which is being set up at Thumba in Kerala.

(b) Rockets provide a very useful tool for the experimental study of a wide range of atmospheric phenomena and, indeed, the only means of making direct measurements at levels between 30 and 200 kilometers, *i.e.* above the ceiling of balloons and below the operational altitude of satellites. Sounding rockets would be specially useful for the investigation of earth's magnetic field, the ionosphere and the so-called electrojet.]

गोआ तथा देश के अन्य भागों में उपभोक्ता वस्तुओं के भाव

१७२. **श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को पता है कि गोआ तथा भारत के अन्य भागों में उपभोक्ता वस्तुओं के प्रचलित भावों में बहुत अन्तर है ;

(ख) यदि हां, तो गोआ तथा देश के अन्य भागों में उपभोक्ता वस्तुओं के भावों में समानता लाने के लिये सरकार ने क्या उपाय किये हैं; और

(ग) गोआ का प्रशासन संभालने के समय उपभोक्ता वस्तुओं का सूचकांक क्या था और वर्तमान में क्या है ?

t [PRICES OF CONSUMER GOODS IN GOA AND IN OTHER PARTS OF THE COUNTRY

172. SHRI V. M. CHORDIA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government are aware that there is a great difference in the prices of consumer goods prevailing in Goa and in other parts of the country;

(b) if so, what efforts Government have made to bring uniformity in the prices of goods in Goa and in other parts of the country; and

(c) what was the index number of consumer goods at the time of taking over of the administration of Goa and what is the present index number?]

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : (क) और (ख) मुक्ति के बाद गोआ में रोज़मर्रा के काम की चीजों के दाम देश में और जगहों के मुकाबले कुछ ऊंचे थे; इस फ़र्क को खत्म

t [ ] English translation